बी. ए. ऑनर्स (संस्कृत) पार्ट-1 परीक्षा 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 1654

चतुर्थ प्रश्न पत्र - व्याकरण अनुवाद एवं निबंध

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. व्याकरण
2. अनुवाद
3. निबंध

यह पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभक्त है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - लघुसिद्धान्तकौमुदी से हल् तथा विसर्गसन्धि प्रकरण।

द्वितीय इकाई -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी से निम्नलिखित प्रत्ययों का सूत्रसहित सामान्य परिचय
   तव्यत्, अनीयर् (तव्यत्तव्यानीयरः) यत् (पोरदुपधात्), क्यप् (एतिस्तुशास्वृदृ-जुषः क्यप्), ण्यत् (ऋहलोण्यर्त), ण्वुल्, तृच् (ण्वुल्तृचै), ल्यु णिनि. अच् (नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः) क (इगुपधज्ञाप्रीकिरः कः), अण् (कर्मण्यण्), खच् (प्रियंवशे वदः खच्) क्त (क्तक्तवतू निष्ठा), शतृ शानच् (लटःशतृशानचा.), उ (शनाशंसभिक्ष् उः) तुमुन् (तुमुन्ण्वुलौ क्रियाणां क्रियार्थायाम्, कालसमयवेलासु तुमुन्), घञ् (भावे, अकर्तरि च कारके संज्ञायाम्), अच् (एरच्), अप् (ऋदोरप्), क्तिन्, (स्त्रियां क्तिन्), क्त. (नपुंसके भावे क्तः), ल्युट्, (ल्युट् च), क्त्वा, (समानकर्तृकयोः पूर्वकाले), णमुल् (आभीक्ष्ण्ये णमुल् च)।
2. इसी इकाई के अन्तर्गत निम्न समासों का ज्ञान भी अपेक्षित है -
   अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुब्रीहि, कर्मधारय, द्विगु तथा द्वन्द्व समास।

तृतीय इकाई -

1. निम्नलिखित शब्दों के सभी विभक्तियों के रूपों का ज्ञान अपेक्षित है।
   क. राम, हरि, भानु, कर्तृ, करिन्, राजन्, भवत्, भगवन्, सखि, पति।
   ख. रमा, मति, नदी, वाच्, दिश्
   ग. वारि, मधु, फल्, पयस्
   घ. युष्मद्, अस्मद्, इदम्, तद्, यद्, किम्
2. इसी इकाई के अन्तर्गत निम्नलिखित धातुओं के लट्, लृट्, लोट्, लङ् लकारों के रूपों का ज्ञान भी अपेक्षित है।
   भू, पच्, वद्, गम्, दृश्, स्था, पा, दा, कृ, अस्, हन्, नृत्, कथ्।

चतुर्थ इकाई - हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

पंचम इकाई - संस्कृत भाषा में निबन्ध

प्रश्न-पत्र का विस्तृत अंक विभाजन

प्रथम खंड 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनके उत्तर अत्यन्त संक्षेप में अपेक्षित हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। ये समग्र पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।

द्वितीय खण्ड 50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनका शत प्रतिशत विकल्प दिया जाएगा। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

क. लघुसिद्धान्तकौमुदी के हल् तथा विसर्ग सन्धि प्रकरणों से कोई चार सन्धियों को देकर दो की सूत्रनिर्देशपुरस्सर सिद्धि पूछी जाएगी। 10 अंक

ख. द्वितीय इकाई में निर्दिष्ट सूत्रों में से कोई चार देकर दो की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाएगी। अथवा समस्त पदों को देकर उनका विग्रह (समास-नामपूर्वक) पूछा जाएगा। 10 अंक

ग. तृतीय इकाई में उल्लिखित शब्दों तथा धातुओं में से किन्हीं चार को देकर दो के रूपों को पूछा जाएगा। 10 अंक

घ. हिन्दी में लगभग दस वाक्यों वाले अवतरण को देकर उसका संस्कृत भाषा में अनुवाद पूछा जाएगा। इसका विकल्प भी नियमतः उपलब्ध रहेगा।

ङ. निम्नलिखित विषयों में से कोई चार विषय देकर किसी एक पर वर्णनात्मक शैली में संस्कृत में निबन्ध लिखने के लिए कहा जाएगा।

मम विद्यालयः, विद्यार्थिजीवनम्, शिक्षाया महत्त्वम्, महाकविकालिदासः, भासः, भारतवर्षम्, ग्राम्यजीवनस्य महत्त्व, स्त्रीशिक्षा, दूरदर्शनस्य हानिलाभाः, वर्षा-ऋतुः परिश्रमस्य महत्त्वम् संस्कृतसाहित्यम्। 10 अंक

तृतीय खंड- 30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनका विकल्प भी उपलब्ध रहेगा।

प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित विषय आधारबिन्दु होंगे। 15 अंक

लघुसिद्धान्तकौमुदी के हल् सन्धि तथा विसर्गसन्धि प्रकरणों से कोई आठ सूत्र देकर किन्हीं चार की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाएगी।

द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित विषय आधार बिन्दु होंगे। 15 अंक

पाठ्यक्रम की द्वितीय इकाई में प्रस्तुत प्रत्ययों से सम्बद्ध शब्दों की सिद्धि इसमें पूछी जाएगी। इस प्रश्न के अन्तर्गत कुल आठ शब्द देकर चार की सिद्धि सूत्रनिर्देश पूर्वक पूछी जाएगी।

सहायक पुस्तकें

1. रचनानुवादमंजरी - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
2. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका - डॉ. बाबूराम सक्सेना
3. रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
4. संस्कृतव्याकरण, रचना तथा निबन्ध - डॉ. रामजी उपाध्याय
5. सरल अनुवादचन्द्रिका - भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
6. संस्कृतनिबन्धांजलि - डॉ. रामकृष्ण आचार्य
7. संस्कृतनिबन्धावली - डॉ. रामजी उपाध्याय

*****